



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 3] नई दिल्ली, शनिवार, जनवरी 19, 1991/पौष 29, 1912  
No. 3] NEW DELHI, SATURDAY, JANUARY 19, 1991/PAUSA 29, 1912

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

## भाग II—खण्ड 4 PART II—Section 4

रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए सांविधिक नियम और आदेश  
Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence

### रक्षा मंत्रालय

नई दिल्ली, 4 जनवरी, 1991

का.नि.आ. 1 :-राष्ट्रपति संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए रक्षा अनुसंधान और विकास सेवा नियम, 1979 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :-

1 (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम रक्षा अनुसंधान और विकास सेवा (दूसरा संशोधन) नियम, 1990 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2 रक्षा अनुसंधान और विकास सेवा नियम, 1979 (जिन्हें इसमें इसके पश्चात् उक्तनियम कहा गया है), के नियम 8 उपनियम (1घ) में खंड (ख) के स्थान पर निम्नलिखित खंड रखा जाएगा, अर्थात् :-

“(ख) वैज्ञानिक “ख” श्रेणी में प्रति वर्ष अधिक से अधिक 250 रिक्तियाँ ऐसे अभ्यर्थियों की नियुक्ति द्वारा भरी जा सकेंगी जिनका चयन “कनिष्ठ अध्येता” के रूप में किया गया है और उन्होंने क्रमशः अनुसूची 5 और 6 में यथा अधिकतम एम. एस. सी. (कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर) की डिग्री या इंजीनियरी/प्रौद्योगिकी की डिग्री सफलतापूर्वक पूरी कर ली है।”

3. उक्त नियमों की अनुसूची में अनुसूची 5 के पश्चात् निम्नलिखित अनुसूची जोड़ी जाएगी, अर्थात् :-

“अनुसूची 6”

[नियम 8(1घ) (ख) देखिए]

प्रौद्योगिकी संस्थान, भारतीय विज्ञान संस्था, प्रादेशिक इंजीनियरी कालेज और अन्य उपात संस्थानों से विनिर्दिष्ट इंजीनियरी विषयों के प्रतिभाशाली युवा वैज्ञानिकों को प्राकटित करने के लिए कनिष्ठ अध्येता-वृत्ति स्कीम।

रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन की स्कीम के अधीन कनिष्ठ अध्येताओं की नियुक्ति के निबंध और शर्तें निम्नलिखित होंगी :-

(क) कनिष्ठ अध्येताओं की कैम्पस भर्ती भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, भारतीय विज्ञान संस्था, प्रादेशिक इंजीनियरी कालेज और अन्य उपात तकनीकी शिक्षा संस्थाओं के विनिर्दिष्ट शाखाओं में इंजीनियरी डिग्री पाठ्यक्रम के अन्तिम वर्ष के ऐसे विद्यार्थियों में से की जाएगी जो इंजीनियरी की डिग्री या प्रौद्योगिकी की डिग्री के अध्ययन के पहले तीन वर्षों में लगातार प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुए हों और जिन्होंने ऐसा डिग्री पाठ्यक्रम पूरा करने के पश्चात् रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन में वैज्ञानिक “ख” के रूप में सेवा करने के लिए विकल्प दिया है।

(ख) चयन साक्षात्कार या लिखित परीक्षा और साक्षात्कार द्वारा योग्यता के आधार पर किया जाएगा।

(1) अध्येतावृत्ति की अवधि एक वर्ष होगी। कनिष्ठ अध्येताओं को प्रतिमास 800 रु. की समेकित वृत्तिका दी जाएगी।

(2) चयनित अध्येताओं को इस आशय का एक बंधपत्र निम्नांकित करने कि वे डिग्री पाठ्यक्रम पूरा करने के पश्चात् वैज्ञानिक "ख" के रूप में नियुक्ति होने पर कम से कम तीन वर्ष रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन में सेवा करेंगे और ऐसा न करने की दशा में उन्हें बंधपत्र में उल्लिखित रकम सरकार को देना होगी।

(ग) ऐसे कनिष्ठ अध्येताओं के, जो प्रथम श्रेणी में डिग्री परीक्षा में उत्तीर्ण हुए हैं, मामलों पर रक्षा अनुसंधान और विकास सेवा नियम, 1979 के नियम 8 (1अ) (ख) के निर्बंधों के अनुसार रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन में वैज्ञानिक "ख" के रूप में नियुक्ति के लिए विचार किया जाएगा परन्तु तब जब उन्हें चयन बोर्ड द्वारा ऐसी नियुक्ति के लिए उपयुक्त पाया जाए।

(घ) वैज्ञानिक "ख" के रूप में नियुक्ति के पश्चात् ऐसे सभी कनिष्ठ अध्येता उन अध्येताओं से कनिष्ठ रहेगे जिनका सेवा में वैज्ञानिक "ख" के रूप में नियुक्ति के लिए चयन उनके चयन की तारीख से पूर्व किया गया है। कनिष्ठ अध्येताओं की साक्ष्य ज्येष्ठता का अवधारण चयन बोर्ड द्वारा चयन सूची में उनको दिए गए योग्यताक्रम के आधार पर किया जाएगा।

[सं. डीआरडीआर/76205/आरडी/एमपीसी-2/4539/डी (आर एण्ड डी)]

टिप्पणी :— रक्षा अनुसंधान और विकास सेवा नियम भारत के राजपत्र भाग-2 खण्ड-4 में सा.का.नि. 8 दिनांक 30 दिसम्बर 78 द्वारा प्रकाशित किये गये थे और उनका संशोधन सा. का.नि. 307 दिनांक 10 अक्टूबर 80, सा.का.नि. 196 दिनांक 2 अगस्त 82, सा.का.नि. 159 दिनांक 5 मई 1983, सा.का.नि. 176 दिनांक 7 अगस्त 1984, सा.का.नि. 228 दिनांक 13 नवम्बर 1984, सा.का.नि. 170 दिनांक 12 जुलाई 1983, सा.का.नि. 186 दिनांक 2 अगस्त 1985, सा.का.नि. 228 दिनांक 6 जून 1986, सा.का.नि. 158 दिनांक 4 मई, 1987, सा.का.नि. 328 दिनांक 25 सितम्बर, 1987 और सा.का.नि. 11(इ) दिनांक 10 अगस्त 1990 द्वारा किया गया।

#### MINISTRY OF DEFENCE

New Delhi, the 4th January, 1991

S.R.O. 1.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Defence Research and Development Service Rules, 1979, namely :—

1. (1) These rules may be called the Defence Research and Development Service (Second Amendment) Rules, 1990.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Defence Research and Development Service Rules, 1979 (hereinafter referred to as "the Rules") in clause 8,

in sub-rule (1A), for clause (b), the following clause shall be substituted, namely :—

"(b) not more than 250 vacancies per year in the grade of Scientist 'B' may be filled by appointment of candidates selected as "Junior Fellows" on their successful completion of M.Sc. (Computer Software) degree or Bachelor of Engineer/Bachelor of Technology degree as laid down in Schedule V and VI respectively."

3. In the Schedule to the said rules, after Schedule V, the following Schedule shall be added, namely :—

#### "SCHEDULE VI

[Sec rule 8(1A)(b)]

Junior Fellowship Scheme to attract bright young Scientists from the Institutes of Technology, the Indian Institute of Science, the Regional Engineering Colleges and other Premier Institutions in specified engineering subjects.

The terms and conditions of appointment of Junior fellows under the Scheme of Defence Research and Development Organisation shall be as under :—

(a) Campus recruitment of Junior Fellows shall be carried out from amongst the students of the final year of the Engineering Degree Courses in specific disciplines from the Indian Institutes of Technology, the Indian Institute of Science, the Regional Engineering Colleges and other Premier Academic of Technical Institutions, who have continuously secured first division during the first three years of their studies for the Bachelor of Engineering or Bachelor of Technology degree course and who opts to join Defence Research and Development Organisation as Scientist 'B' on completion of such degree course.

(b) Selection shall be made on the basis of merit through an interview or written test and interview.

(i) The period of fellowship shall be one year. The Junior Fellows shall be paid a consolidated stipend of Rs. 800 per month and they shall not be entitled to any other allowance.

(ii) The selected candidates shall execute a bond to serve the Defence Research and Development Organisation on completion of degree course for a minimum period of 3 years on appointment as Scientist 'B', failing which they shall be required to pay the Government the amount mentioned in the bond.

(c) The Junior Fellows who are awarded the Degree in first division shall be considered for appointment as Scientist 'B' in the Defence Research and Development Organisation in terms of rule 8(1A)(b) of the Defence Research and Development Service Rules, 1979, provided they are found suitable for such appointment by the Selection Board.

(d) The Junior Fellows on their appointment as Scientist 'B' shall be en-bloc junior to those selected for appointment as Scientist 'B' earlier than the date of their selection for appointment in the Service. The inter-se-seniority of the Junior Fellows shall be determined on the basis of merit assigned in the selection list by the Selection Board.

[No. DRDO/76205/RD/MPD-2/4539/D(R&D)]

NOTE.—The Defence Research and Development Service Rules published in the Gazette of India Part II, Section 4, vide S.R.O. 8 dated the 30th December, 1978, have been amended vide S.R.O. 307, dated the 10th October, 1980, S.R.O. 196 dated the 2nd August, 1982, S.R.O. 159 dated the 5th May, 1983, S.R.O. 176 dated the 7th August, 1984, S.R.O. 228 dated the 13th November, 1984, S.R.O. 170 dated the 12th July, 1985, S.R.O. 186 dated the 2nd August, 1985, S.R.O. 228 dated the 6th June, 1986, S.R.O. 158 dated the 4th May, 1987 and S.R.O. 328 dated the 25th September, 1987 and S.R.O. 11-E dated the

नई दिल्ली, 7 जनवरी, 1991

का.नि.आ. 2.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन, रक्षा मंत्रालय, समूह "घ" (भराजपत्रित, अनौद्योगिक) पद भर्ती नियम, 1974 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन, रक्षा मंत्रालय, समूह "घ" (भराजपत्रित, अनौद्योगिक) पद भर्ती (संशोधन) नियम, 1990 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन, रक्षा मंत्रालय, समूह "घ" (भराजपत्रित, अनौद्योगिक) पद भर्ती नियम, 1974 की अनुसूची में,—

(क) प्रयोगशाला परिचारक, पशु चिकित्सा सहायक, कनिष्ठ गैस्टेनर चालक, अभिलेखपाल, दफ्तरी, नील मुद्रक (ब्लू प्रिंटर), प्रयोगशाला बाहक/ मददगार, पुस्तकालय परिचारक, जमादार प्रहरी, रसोईवा, धोबी, कमाई, (बूचर), जमादार सफाईवाला, अपरासी/अर्दसी/ मवेश बाहक, पराण, वेटर (बैरा), चौकीदार/दरबान/प्रहरी, ग्वाला, माली (गार्डनर), समालोचक, धोबी/बाश्मरूप, सफाईवाला और जलावाहक (वाटर कैरियर) पदों से संबंधित क्रम संख्या 1 से 20 के सामने, स्तंभ 3 में प्रविष्टि के स्थान पर, निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात् :—

"साधारण केन्द्रीय सेवा, समूह "घ" भराजपत्रित (अनौद्योगिक)"

(ख) प्रयोगशाला परिचारक, कनिष्ठ गैस्टेनर परिचारक, अभिलेखपाल, दफ्तरी, प्रयोगशाला बाहक/मददगार और जमादार प्रहरी पदों से संबंधित क्रम संख्या 1, 3, 4, 5, 7 और 9 के सामने, स्तंभ 9 की प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात् :—

"केवल सीधी भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए 2 वर्ष"

(ग) जमादार हाइड्रक के पद से संबंधित क्रम संख्या 12 के सामने, स्तंभ 9 की प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात् :—

"लाय नहीं होता"

(घ) प्रयोगशाला परिचारक, कनिष्ठ गैस्टेनर परिचारक, अभिलेखपाल, दफ्तरी, प्रयोगशाला बाहक/मददगार, जमादार प्रहरी और जमादार सफाईवाला के पदों से संबंधित क्रम संख्या 1, 3, 4, 5, 7 और 9 के सामने स्तंभ 11 की प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात् :—

"टिप्पण :—उस दशा में, जहां प्रोन्नति के लिए कनिष्ठों पर विचार किया जाता है, इस तथ्य के होते हुए भी कि उन्होंने अपेक्षित अर्हक सेवा पूरी नहीं की है उनसे ज्येष्ठ सभी व्यक्तियों पर भी प्रोन्नति के लिए विचार किया जाएगा, परन्तु यह तब जब कि उन्होंने श्रेणी में परीक्षा अवधि सफलतापूर्वक पूरी कर ली हो।

[स. 16341 आरडी/एमपीडी-2/471/डी(आरण्डडी)]

दुर्गा दास, अवर सचिव

टिप्पण—मूल भर्ती नियम, भारत के राजपत्र भाग-2, खण्ड-4 में का.नि.आ. 395 तारीख 16 नवम्बर, 1974 द्वारा प्रकाशित किए गये थे और उनमें का.नि.आ. सं. 107 तारीख 1 मई, 1976, का. नि.आ. 72 तारीख 18 फरवरी, 1978 और का.नि.आ. 103 तारीख 10 मार्च, 1983 और का.नि.आ. 290 तारीख 12/16 दिसम्बर, 1985 द्वारा संशोधन किए गए थे।

New Delhi, the 7th January, 1991

S.R.O. 2.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby

makes the following rules further to amend the Defence Research and Development Organisation, Ministry of Defence, Group 'D' (Non-Gazetted, Non-Industrial) Posts Recruitment Rules, 1974, namely :—

1. (1) These rules may be called the Defence Research and Development Organisation, Ministry of Defence, Group 'D' (Non-Gazetted, Non-Industrial) Posts Recruitment (Amendment) Rules, 1990.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule to the Defence Research and Development Organisation, Ministry of Defence, Group 'D' (Non-Gazetted, Non-Industrial) Posts Recruitment Rules, 1974 :—

(a) against serial numbers 1 to 20 relating to the Posts of Laboratory Attendant, Veterinary Assistant, Junior Gestetner Operator, Record Keeper, Daftry, Blue Printer, Laboratory Bearer/Helper, Library Attendant, Jamadar Watchman, Cook, Washerman (Dhobi), Butcher, Jamadar Safaiwala, Peon/Orderly/Messenger, Frash, Waiter/Bearer, Chowkidar/Darwan/Watchman, Gwala, Gardner/Mali, Msalchi/Washer-up, Sweeper and Water Carrier, in column 3, for the entry, the following entry shall be substituted, namely :—

"General Central Service, Group 'D', Non-Gazetted (Non-Industrial);"

(b) against serial numbers 1, 3, 4, 5, 7 and 9 relating to the posts of Laboratory Attendant, Junior Gestetner Operator, Record Keeper, Daftry, Laboratory Bearer/Helper and Jamadar Watchman, in column 9, for the entry, the following entry shall be substituted, namely :—

"2 years for direct recruits only;"

(c) against serial number 12 relating to the post of Jamadar Safaiwala, in column 9, for the entry, the following entry shall be substituted, namely :—

"Not applicable;"

(d) against serial numbers 1, 3, 4, 5, 7 and 9 relating to the posts of Laboratory Attendant, Junior Gestetner Operator, Record Keeper, Daftry, Laboratory Bearer/Helper, Jamadar Watchman and Jamadar Safaiwala after the entry in column 11, the following entry shall be inserted, namely :—

"NOTE.—In case juniors are considered for promotion, all persons senior to them shall also be considered for promotion, notwithstanding the fact that they have not completed the requisite qualifying service, provided that they have successfully completed the probation period in grade."

[No. 16341/RD/MFD-2/4718/D(R&D)]  
DURGA DASS, Under Secy.

NOTE.—The Principal recruitment rules were published in the Gazette of India, Part II, Section 4, vide S.R.O. 395 dated the 16th November, 1974. The Principal rules have been amended vide S.R.O. 107 dated the 1st May, 1976, S.R.O. 72 dated the 18th February 1978, S.R.O. 103 dated the 10th March, 1983 and S.R.O. 290 dated 12, 16th December, 1985.

नई दिल्ली, 7 जनवरी, 1991

का.नि.आ. 3.—केन्द्रीय सरकार, सरकारी स्थान (अप्राधिकृत अधिभोगियों की देखभाल) अधिनियम, 1971 (1971 का 40) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के निर्माण आवागमन और शहरी विकास विभाग की अधिसूचना सं० का.आ. 2774 तारीख 7 अगस्त, 1970 को अधिकांश करने हुए जिन्हें नीचे की सारणी के स्तम्भ (1) में उल्लिखित अधिकारियों को, जो सरकार के राजपत्रित अधिकारी के समतुल्य रैंक के अधिकारी हैं, उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए सम्पदा अधिकारी नियुक्त करती है, जो उक्त सारणी के स्तम्भ

(2) में विनिर्दिष्ट सरकारी स्थानों को बाबत अपनी अधिकारिता की स्थानीय सीमाओं के भीतर उक्त अधिनियम द्वारा या उसके अधीन सम्पदा अधिकारियों को प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग और उन पर अधिनियमित कर्तव्यों का निर्वहन करेंगे, अर्थात्:—

## सारणी

अधिकारी का पद/विधान सरकारी स्थानों के प्रवर्ग और अधिकारिता की स्थानीय सीमाएं

1	2
1. मुख्य प्रबन्धक (सम्पदा) हिन्दुस्तान ऐरोनॉटिक्स लिमिटेड, बंगलूर कॉम्प्लेक्स, बंगलूर ।	हिन्दुस्तान ऐरोनॉटिक्स लिमिटेड, बंगलूर कॉम्प्लेक्स बंगलूर को या उसके द्वारा दृष्टे पर लिए गए या अधिगृहीत सरकारी स्थान जिनके अन्तर्गत कर्नाटक राज्य में और उसके बाहर स्थित उसकी शाखाएं और अर्थात्त्रिक बेस हैं।
2. ज्येष्ठ सम्पदा प्रबन्धक हिन्दुस्तान ऐरोनॉटिक्स लिमिटेड बंगलूर कॉम्प्लेक्स बंगलूर ।	
3. प्रबन्ध (प्रशासन) हिन्दुस्तान ऐरोनॉटिक्स लिमिटेड, बंगलूर कॉम्प्लेक्स, बंगलूर ।	

[म. 49 (16)/7/86/डी (एच ए एल)]

एम.एस.चोपड़ा, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 7th January, 1991

S.R.O. 3:—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Public Premises (Eviction of Unauthorised Occupants)

Act, 1971, (40 of 1971), and in supersession of the notification of the Government of India, Department of Works, Housing and Urban Development, number S.O. 2774 dated the 7th August, 1970, the Central Government hereby appoints the officers mentioned in column (1) of the table below, being officers equivalent to the rank of Gazetted Officers of Government to be estate officers for the purposes of the said Act, who shall exercise the powers conferred and perform the duties imposed on estate officers by or under the said Act within the local limits of their jurisdiction in respect of public premises specified in column (2) of the said table.

TABLE

Designation of the Officer	Categories of Public Premises and local limits of Jurisdiction
(1)	(2)
1. Chief Manager (Estate), Hindustan Aeronautics Limited, Bangalore Complex, Bangalore.	Public Premises belonging to or taken on lease or requisitioned by the Hindustan Aeronautics Limited, Bangalore Complex, Bangalore, including its branches and outstation bases situated in and outside the State of Karnataka.
2. Senior Estate Manager, Hindustan Aeronautics Limited, Bangalore Complex,	
3. Manager (Administration), Hindustan Aeronautics Limited, Bangalore Complex, Bangalore.	

[No. 49 (16)/7/86/D(HAL)  
M. S. CHOPRA, Desk Officer